नवभारत
भोपाल, शनिवार , 4 अप्रैल 2026

सिलवानी में 'सांदीपनि' स्कूल भवन बना सपना

नए सत्र में भी बच्चों को नहीं मिलीं सुविधाएं

शुभम साहू

सिलवानी, 3 अप्रैल. प्रदेशभर के शासकीय विद्यालयों में बुधवार से नए शिक्षा सत्र की शुरुआत उत्साह के साथ हो गई. प्रवेश उत्सव के तहत विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और नए सत्र की खुशियां मनाई गईं.

सिलवानी विकासखंड स्थित 'सांदीपनि (पूर्व सीएम राइज)' विद्यालय के सैकड़ों छात्रों के लिए यह उत्सव फीका साबित हुआ. करीब तीन वर्षों से निर्माणाधीन इस विद्यालय का नया भवन अब तक तैयार नहीं हो पाया है, जिससे छात्रों को पुराने भवन में ही पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ रहा है.

वर्ष 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'सीएम राइज' योजना के तहत सिलवानी में इस विद्यालय के लिए 44 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे. उद्देश्य था कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों जैसी उच्च स्तरीय सुविधाएं मिल सकें.

हालांकि, मुख्यमंत्री बदलने के बाद योजना का नाम बदलकर 'सांदीपनि' कर दिया गया, लेकिन निर्माण कार्य की गति पर इसका कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ा. जिम्मेदार निर्माण कंपनी, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की उदासीनता के चलते भवन अब तक अधूरा है.

सुविधाओं के वादे अधूरे

सरकार द्वारा इस विद्यालय को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने का दावा किया गया था, जिसमें शामिल थे, स्मार्ट क्लासरूम आधुनिक प्रयोगशालाएं विशाल खेल मैदान और स्विमिंग पूल. लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि छात्रों को अभी तक एक व्यवस्थित भवन भी उपलब्ध नहीं हो पाया है.स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में इस मुद्दे को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है. उनका कहना है कि तीन साल का लंबा समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा न होना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है. नागरिकों ने निर्माण जल्द पूरा करने की मांग की है.

बरसात में टपकता है छत से पानी

वर्तमान में इस विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लगभग 2000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं, जबकि उपलब्ध कक्षों की संख्या मात्र 38 है. कई कक्षों की छत पर टिन की चादरें डाली गई हैं. बरसात के मौसम में छतों से पानी टपकता है.बैठने और पढ़ाई के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है. इन परिस्थितियों में विद्यार्थियों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है.

इनका कहना है

निर्माण एजेंसी एवं कलेक्टर से बात करते है, निर्माण एजेंसी के जो अधिकारी है उनको बुलाकर शीघ्र निर्माण को पूर्ण कराया जायेगा.
हर्षल चौधरी, एसडीएम

गेहूं की खरीदी न होने से परेशान किसान

बेमौसम बारिश से फसल खराब होने की आशंका

सलामतपुर, 3 अप्रैल. समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू नहीं होने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. खेतों में गेहूं की फसल कई जगह कटकर खुले में रखी हुई है. किसान सरकारी खरीदी केंद्र शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि सीधे तुलाई केंद्र पर अपनी उपज बेच सकें. इधर पिछले दो-तीन दिनों से मौसम में अचानक बदलाव आया है और बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है.

कटाई के बाद खुले में रखी फसल को बचाने के लिए किसानों को अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे हैं, वहीं खड़ी फसल भी बारिश के कारण आड़ी होकर खराब हो रही है.

कई किसानों का कहना है कि यदि सरकार 1 अप्रैल से खरीदी केंद्र शुरू कर देती, तो वे अब तक अपनी फसल बेच चुके होते और नुकसान से बच जाते. अब जानकारी सामने आ रही है कि खरीदी केंद्र 10 अप्रैल से शुरू होंगे. ऐसे में बारिश और आग दोनों की मार झेल रहे किसान खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं. फिलहाल किसान अपनी फसल को बचाने के लिए उसे ढंककर रखने और हरसंभव उपाय करने में जुटे हैं, लेकिन खरीदी केंद्र शुरू होने में देरी ने उनकी परेशानियों को और बढ़ा दिया है. गौरतबलै कि हाल ही में सांची रोड पर 50 एकड़ में गेहूं की फसल में आग लग गई थी.

इनका कहना है

बार-बार बारिश होने से बहुत दिक्कत आ रही है. मौसम प्रतिदिन खराब हो रहा है. गेहूं कटे हुए बाहर रखे हैं. सरकार पहले 1 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर खरीदी करने वाली थी. हमने गेंहू ट्रॉली में भर लिया था. लेकिन पता चला कि तुलाई की डेट अब 10 अप्रैल कर दी गई है. अभी तक यही नहीं पता चल पाया कि सरकार गेंहू तोलेंगे भी की नही.
इकबाल अहमद, किसान

एक तो मौसम की मार दूसरा समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी शुरू नहीं होने की वजह से आसपास क्षेत्र के किसान परेशान हैं. फसल कट चुकी है. बार-बार मौसम खराब होने की वजह से चार-चार हजार रुपये कीमत की दो तिरपाल फट चुकी हैं. और अभी भी गेंहू तुलाई की कोई गारंटी नही है. मेरी शासन प्रशासन से मांग है कि शीघ्र ही समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की जाए.
इदरीश खान, किसान.

आसपास क्षेत्र में अधिकतर किसानों की फसल कट चुकी है. कुछ की फसलें कटी हुई खेत में पड़ी है. और कुछ की फसल कटने वाली है. अगर सरकार 1 अप्रेल से गेंहू खरीदी शुरू कर देती तो बारिश की वजह से होने वाले नुकसान से बच जाते.
कमल सिंह साहू, किसान

आंधी-तूफान में कटी फसल हुई खराब

मौसम की बेरुखी से किसानों की चिंता बढ़ी

बेगमगंज, 3 अप्रैल. गुरुवार मध्य रात्रि चली तेज आंधी ने किसानों की चिंता बढ़ गई है. हार्वेस्टर नहीं मिलने के कारण अभी भी 30% किसानों की फसल कटने के लिए खड़ी हुई है. 70 प्रतिशत किसानों की फसल कट गई है. इनमें अधिकांश किसानों की गेहूं की फसल खलिहानों में रखी है. पिछले तीन दिन में घने काले बादल छा रहे हैं.

कभी-कभी बूंदाबांदी होने से किसानों की चिंता बढ़ गई थी. बीती रात अचानक तेज आंधी से खलिहानों में रखी फसल इधर-उधर उड़कर बिखर गई. फसल खराब भी हो गई. शुक्रवार सुबह प्रभावित किसानों ने उसे एकत्र किया. फसल को नुकसान हुआ है. तेज हवा एवं आंधी के कारण अचानक बिजली गुल हो गई और कई जगह घरों के छप्पर एवं चादर उड़ गई. आंधी इतनी तेज थी कि कई पेड़ उखड़कर गिर गए. गनीमत रही कि जनहानि नहीं हुई.

प्रदेश में भी समर्थन मूल्य पर

गेहूं की खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है. कृषि उपज मंडी में व्यापारियों द्वारा 2200 से लेकर 2350 रुपए तक गेहूं की खरीदी किए जाने से किसानों द्वारा अपना-अपना गेहूं आवश्यकता के अनुसार कम मात्रा में बेचा जा रहा है. सभी किसान समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ होने का इंतजार कर रहे हैं. अनेक किसानों द्वारा अपना गेहूं निकलवाकर आसमान के नीचे रख छोड़ा है. अचानक मौसम खराब होने के कारण घबराहट में किसानों ने ऊंचे दामों पर त्रिपाल एवं पॉलिथीन खरीदकर गेहूं को भीगने से बमुश्किल बचाया. यदि तत्काल सरकारी केंद्रों पर खरीदी की शुरूआत नहीं की गई तो आर्थिक रूप से किसानों को बहुत बड़ा नुकसान होने की आशंका है.

जल्द हो समर्थन मूल्य पर खरीदी

सरकार द्वारा 10 अप्रैल से खरीदी निर्धारित की गई है. सहकारी समिति के केंद्र संचालकों द्वारा बताया गया है कि अभी बारदाना नहीं आया है. किसान सौरभ शर्मा महुआखेड़ा ,भरत पटेल करहोला , निर्भर सिंह मदनी, नरेंद्र यादव बेरसला ने बताया कि मौसम खराब होने से उन्हें अपना गेहूं - चना खराब होने की चिंता सता रही है. घरों में गेहूं रखने की उपयुक्त व्यवस्था नहीं है. खुले आकाश के नीचे खलियानों में गेहूं पड़ा हुआ है. जो बारिश होने से भी भीगकर खराब हो सकता है और भीगने पर उसकी चमक खत्म हो जाएगी. सरकार द्वारा गेहूं खरीदी में विलंब किया तो किसानों को बहुत ज्यादा समस्या हो गई है.

23 पेटी अवैध शराब जब्त, 2 गिरफ्तार

बम्होरी, 3 अप्रैल. अवैध शराब के खिलाफ बम्होरी पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए गुरुवार देर रात 23 पेटी शराब जब्त की है. कार्रवाई में 204 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है. पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल बोलेरो वाहन सहित कुल 7 लाख रुपए का माल जब्त किया है.

जानकारी के अनुसार, रात करीब 3 बजे पहरिया जोड़ पर पुलिस ने बम्होरी से रायसेन की ओर जा रही बोलेरो को रोककर तलाशी ली. जांच के दौरान वाहन में अवैध रूप से ले जाई जा रही शराब की पेटियां मिलीं.

मौके से दो आरोपियों मोंटी उर्फ प्रेमप्रकाश मेहरा (24) निवासी डोकरी बमनई थाना बम्होरी जिला रायसेन और अमन उर्फ गोरेलाल जायसवाल (22) निवासी मऊगंज को गिरफ्तार किया गया. दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है. कार्रवाई एसडीओपी अनिल सिंह मौर्य और थाना प्रभारी प्रीतम सिंह राजपूत के निर्देशन में की गई. गश्त टीम में प्रधान आरक्षक अशोक मीणा, आरक्षक राजेंद्र उइके, डायल-112 पायलट अमित गौर और आरक्षक महेंद्र सिंह की प्रमुख भूमिका रही.

एक नजर में

वैदिक बाल विकास स्कूल में विदाई समारोह आयोजित

बम्होरी, 3 अप्रैल. वैदिक बाल विकास स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने वरिष्ठ साथियों को उपहार भेंट कर विदाई दी. इस मौके परा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संग्राम सिंह राजपूत, जनपद सदस्य मदन गोपाल वर्मा एवं राजेश बघेल थे. कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई, जिसमें अतिथियों ने चंदन, चावल एवं फूलमाला अर्पित कर पूजा-अर्चना की. इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं और पर्ची क्विज ड्रॉ का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इस अवसर पर प्राचार्य प्रिया आचार्य, मैथिली शरण आचार्य, सुपार लोधी, आशीष सोनी, राजाराम लोधी, नाजिर अहमद, मिथुन लोधी, राधेश्याम जोशी, फारूक मंसूरी सहित विपिन शर्मा आदि उपस्थित रहे.

भगवंतपुर में आंगनवाड़ी केंद्र का लोकार्पण

सलामतपुर, 3 अप्रैल. रायसेन जिले की शाहपुर ग्राम पंचायत के ग्राम भगवंतपुर में शुक्रवार को 28.26 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आंगनवाड़ी केंद्र का विधिवत लोकार्पण सांची विधायक डॉ. प्रभु राम चौधरी द्वारा किया गया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र में बाल विकास और पोषण को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे. अतिथियों ने आंगनवाड़ी केंद्र की सुविधाओं का अवलोकन कर बच्चों और माताओं के लिए उपलब्ध सेवाओं की सराहना की. केंद्र के शुरू होने से स्थानीय परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी.

नरवाई की आग से चने की कटी फसल राख

- **जिले में प्रतिबंध लगने के बाद भी नरवाई जल रही है**
- **आग लगने से किसान को 40 हजार रु. का नुकसान**

बेगमगंज , 3 अप्रैल. सख्त प्रतिबंध होने के बावजूद किसान नरवाई जला रहे हैं. नरवाई की आग अन्य किसानों की कटी रखी फसल तक पहुंचकर उसे जला रही है.

शुक्रवार को ग्राम सुमेर के पास खेजड़ा में किसान अभिनव मुंशी एडवोकेट के खेत पर 6 क्विंटल चने की कटी रखी फसल नरवाई में लगी आग की चिंगारी से जलकर राख हो गई. किसान को करीब 40 हजार रुपए का नुकसान हो गया है.

पीड़ित किसान अभिनव मुंशी ने बताया कि उनके खेत पर कुएं के पास चने की 6 क्विटल फसल कटी हुई रखी थी. सामने एक खेत में नरवाई जल रही थी. अचानक उनके सामने ही कटी रखी चने की फसल ने आग पकड़ ली और वह धूं-धूंकर जल गई. वहां मौजूद लोगों ने कुएं के पानी से आग बुझाने का प्रयास किया. सूचना देने के बाद भी बहुत देर तक फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई थी. आग पर बामुश्किल काबू पाया.

सेवा सदन ने नरसिंहगढ़ में लगाया शिविर

भोपाल, 3 अप्रैल. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा शुक्रवार को नरसिंहगढ़ के प्रज्ञा सागर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों, उनके परिरवाजन, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए नि:शुल्क नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया.

शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक मोहन शर्मा व सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी द्वारा किया गया. इस अवसर पर स्थानीय न्यायाधीश मीनू पचौरी दुबे, एसडीएम ब्यावरा गोविंद दुबे भी उपस्थित थे.

शिविर में विद्यालय के 346 छात्र-छात्राओं की आंखों की जांच की गई. जिसमें से 10 लोगों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई और 40 व्यक्तियों को चिकित्सा परामर्श के लिए सेवा सदन अस्पताल जाकर इलाज करवाने की सलाह दी गई.

सृजन कार्यक्रम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ा : डीआईजी

सलामतपुर, 3 अप्रैल. शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल सलामतपुर में मध्य प्रदेश सामुदायिक पुलिस योजना के अंतर्गत वेलस्पन कंपनी द्वारा शुक्रवार को किशोर क्षमता वर्धन एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया था. डीआईजी विनीत कपूर ने सृजन कार्यक्रम की सराहना की. उन्होंने कहा कि कम समय में बच्चों में हुए सकारात्मक बदलाव की प्रशंसा की. इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा है. थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी ने कार्यक्रम पर प्रकाश डाला. प्रशिक्षण के उपरांत कार्यक्रम में डीआईजी विनीत कपूर, मनीषा बलिया रिसर्चर सृजन पुलिस विभाग, वेलस्पन फाउंडेशन सीएसआर मैनेजर हरेंद्र सिकरवार, निवसीड बचपन से राजीव भार्गव, दीप्ति दीवान, सुनील गांवड़े, रिंकू दुबे, ओमप्रकाश रैकवार, शिवम शर्मा, पूजा कुशवाहा, अंजू पाल, मुस्कान खान, नेहा मेहरा, विनीता लोधी एवं सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह राजपूत उपस्थित रहे. अतिथियों ने बच्चों से परिचय लिया एवं ट्रेनिंग के बारे में पूछा.

भगवंतपुर में आंगनवाड़ी केंद्र का लोकार्पण

सलामतपुर, 3 अप्रैल. रायसेन जिले की शाहपुर ग्राम पंचायत के ग्राम भगवंतपुर में शुक्रवार को 28.26 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आंगनवाड़ी केंद्र का विधिवत लोकार्पण सांची विधायक डॉ. प्रभु राम चौधरी द्वारा किया गया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र में बाल विकास और पोषण को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे. अतिथियों ने आंगनवाड़ी केंद्र की सुविधाओं का अवलोकन कर बच्चों और माताओं के लिए उपलब्ध सेवाओं की सराहना की. केंद्र के शुरू होने से स्थानीय परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी.

अनियमितता मूल्याकंनकर्ता और अफसर भी भुगतान की दे रहे हैं अनुमति

धुंधले बिलों को पोर्टल पर चढ़ाकर भुगतान

सिलवानी, 3 अप्रैल. भ्रष्टाचार और पंचायत सचिवों द्वारा की जा रही गड़बड़ियों को रोकने के लिए शासन ने पंचायत दर्पण पोर्टल लांच किया था, जिसमें कार्य से सबंधित जानकारी अपलोड करना है ताकि आम आदमी भी पोर्टल पर काम की हकीकत को देख सकें और यदि पोर्टल के हिसाब से काम नहीं हुआ है तो उसकी शिकायत कर सके.

सिलवानी ब्लॉक में पंचायत सचिव पोर्टल पर जो जानकारी अपलोड कर रहे है, वह ऐसी है जो न तो पढ़ने में आ रही है न समझने में. खास बात यह है कि इस जानकारी को मूल्याकंनकर्ता और अफसर भी एप्रूव करके भुगतान करवा रहे हैं.

गौरतलब यह है कि पोर्टल को पारदर्शिता के मंशा से बना गया था. निर्माण कार्यों में खुल के भ्रष्टाचार किया जा रहा है. फर्जी बिल लगा रहे है. ऐसे-ऐसे बिल लग रहे है कि सीमेंट के दुकान से स्टेशनरी खरीदी जा रही है और किराना दुकान से रेत लोहा खरीदने के बिल पोर्टल में लग रहे और भुगतान हो रहे, आज कोई इन बिलों की रेख-देख नहीं कि जा रही और इन फर्जी बिलों से बेजा फर्जी भुगतान लिया जा रहा है कुछ बिल ऐसा भी है जो पोर्टल में बिल लगे है वह पढने भी नहीं जा सकते है. धुंधले बिलों के जरिए लाखों का फर्जी भुगतान किया जा रहा है.

इनका कहना है

मीडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई, ग्राम पंचायत गुंदरई प्रतापगढ़ की जांच कराई जाएगी, जांच में दोषी पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी.
कमल सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ रायसेन.

इन पंचायतों में पोर्टल पर दिख रही गड़बड़ी

बता दें कि यही हाल जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत गुंदरई प्रतापगढ़ सहित अधिकांश ग्राम पंचायतों का है. जहां फर्जी बिल लगाकर भुगतान किया जा रहा है. जिसकी समय-समय पर शिकायतें होती भी हैं पर उन शिकायत की फाइल धूल खाती रहती है. सिलवानी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली पंचायतों में धुंधले बिलों को पोर्टल पर अपलोड करना आम बात हो गई है. पंचायत सचिव द्वारा हजारों बिलों को धुंधला कर के अपलोड कर आम जनता को भ्रमित किया जा रहा है. सीमेंट के दुकान से स्टेशनरी खरीदी का फर्जी बिल या खरीदे गए समान के दुगने बिल का भुगतान कराया जा रहा है. पंचायत दर्पण में लगे बिलों देखकर साफ अनुमान लगा सकता है कि सचिव जानबूझ कर धुंधला बिल लगाते है, जिससे किस फर्म में किस सामग्री का बिल लगा है, पता न चल पाये. सूत्रों की माने तो ग्रामवासी अगर सचिव से पूछते हैं कि किस सामग्री का बिल लगा है तो सचिव जवाब देते है नेट से निकाल लीजिये, जब पंचायत दर्पण पर लोग देखने पहुंचते है तो वहां बिल ही धुंधला मिलता है, कुल मिलाकर भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए यह खेल खेला जाता है.

दादाजी धाम में गलंतिका जलधारा से अभिषेक

भोपाल, 3 अप्रैल. वैशाख मास की शुरुआत शुक्रवार 3 अप्रैल से हो गई है. इस पावन अवसर पर दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर में भगवान शिव के शिवलिंग पर 'गलंतिका जलधारा' स्थापित कर 24 घंटे निरंतर अभिषेक प्रारंभ किया गया है. पंडित राजेंद्र पलिया द्वारा पूजन कर भक्तों की उपस्थिति में 'गलंतिका' स्थापित की गई. विशेष कलश से एक-एक बूंद जल निरंतर शिवलिंग पर गिरकर भक्तों की श्रद्धा एवं भक्ति का प्रतीक बन रही है. ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार यह जलधारा भगवान शिव को शीतलता प्रदान कर अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है.